भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *221
04 अगस्त, 2026 को उत्तर के लिए

पंजाब में इस्पात प्रसंस्करण उद्योग

***221. श्री मलविंदर सिंह कंगः**

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पंजाब में इस्पात प्रसंस्करण उद्योगों में कार्यरत कामगारों के लिए कौशल विकास संबंधी कोई पहल की हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत दो वर्षों के दौरान कितने प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा कितने लाभार्थी प्रशिक्षित और नियोजित किए गए हैं;

(ग) क्या पंजाब में उद्योग-विशिष्ट कौशल केन्द्रों की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या इस संबंध में कोई वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री एच.डी. कुमारास्वामी)**

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"पंजाब में इस्पात प्रसंस्करण उद्योग" के संबंध में श्री मलविंदर सिंह कंग, संसद सदस्य द्वारा दिनांक 04 अगस्त, 2026 को उत्तर के लिए प्रस्तुत किए गए लोक सभा तारांकित (*) प्रश्न संख्या *221 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (घ): जी, हां। सरकार ने पंजाब में इस्पात मंत्रालय के तत्वाधान में मंडी गोबिंदगढ़, पंजाब में स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सेकेंडरी स्टील टेक्नोलॉजी (एनआईएसएसटी) के माध्यम से कौशल विकास संबंधी पहल की है। एनआईएसएसटी इस्पात क्षेत्र के लिए एक उद्योग-उन्मुख कौशल विकास और प्रौद्योगिकी सहायता केंद्र है और इस्पात उद्योग में कार्यरत कर्मियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 से, एनआईएसएसटी ने औद्योगिक सुरक्षा, गुणवत्ता सुधार, ऊर्जा दक्षता, स्क्रैप पृथक्करण और अविनाशकारी परीक्षण (एनडीटी) जैसे विशेष क्षेत्रों में लगभग 300 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया है।

इसके अतिरिक्त, इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसई) अपने-अपने संयंत्रों की प्रचालन आवश्यकताओं और देश भर में उनकी अवस्थिति के आधार पर प्रशिक्षु प्रशिक्षण, उद्योग-उन्मुख मॉडल और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के साथ साझेदारी के माध्यम से कौशल विकास पहल करते हैं। इस्पात क्षेत्र के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु वर्ष 1987 में पंजाब में एनआईएसएसटी की स्थापना की गई। प्रशिक्षण और प्रचालन के लिए निधि इस्पात मंत्रालय द्वारा प्रदान की जाती है।

*****